

③ काल के आधार पर क्रिया:-

① भूतकालिक क्रिया- क्रिया के जिस रूप के द्वारा बीते हुए समय में अर्थात् भूतकाल में किसी कार्य के होने का बोध हो, भूतकालिक क्रिया कहलाती है-

जैसे- मोहन ने पुस्तक पढ़ी। कृष्ण ने बाँसुरी बजाई।
राजेश विदेश गया था। बच्चे फुटबॉल खेल रहे थे।

भूतकालिक क्रिया के छह उपभेद होते हैं:-

(i) सामान्य भूतकालिक क्रिया- 'आ/ई/ए'

क्रिया के जिस रूप के द्वारा बीते हुए समय में किसी कार्य के होने की सामान्य स्थिति का बोध हो सामान्य भूतकालिक क्रिया कहलाती है-

जैसे- विजय जयपुर गया। मुनेश आगरा गई। बच्चे विद्यालय गए।

(ii) आसन्न भूतकालिक क्रिया- आ/ई/ए + हें/हैं

क्रिया के जिस रूप के द्वारा
 बीते हुए समय में तुरन्त ही किसी कार्य के पूर्ण होने
 का बोध हो, आसन्न भूतकालिक क्रिया कहलाती है-
 जैसे- मैंने पूजा की है। रमा मंदिर गई है।
 अविनाश बाजार गया है। पिताजी कार्यलय गए हैं।

(iii) पूर्ण भूतकालिक क्रिया - 'आ/ई/ए + था/थी थे'

क्रिया के जिस रूप के द्वारा बीते हुए समय में अर्थात् भूतकाल में किसी कार्य के होने में पूर्णता का बोध हो अर्थात् बहुत पहले ही किसी कार्य के पूर्ण होने का बोध हो, पूर्ण भूतकालिक क्रिया कहलाती है -

जैसे- नितेश बाजार गया था। मनु मंदिर गई थी। बच्चे ननिहाल गए थे।
चोर घर में घुस चुके थे। वह आगरा पहुँच चुका था।

(iv) अपूर्ण भूतकालिक क्रिया - 'रहा/रही/रहे + था/थी/थे'

क्रिया के जिस रूप के द्वारा
 बीते हुए समय में किसी कार्य के अपूर्ण होने का बोध हो,
 अपूर्ण भूतकालिक क्रिया कहलाती है-

जैसे- विकास पुस्तक पढ़ रहा था। रीना भजन गा रही थी।
 बच्चे झगड़ रहे थे। कुत्ता भौंक रहा था।

(v) **संदिग्ध भूतकालिक क्रिया** - 'आ/ई/ए + होगा/होगी/होंगे'

क्रिया के जिस रूप के द्वारा
बीते हुए समय में किसी कार्य के होने में संदिग्धता का
बोध हो, संदिग्ध भूतकालिक क्रिया कहलाती है -

जैसे- मनोज जोधपुर गया होगा। निधि ननिहाल गई होगी।
बच्चे विद्यालय गए होंगे। वे घर पहुँच गए होंगे।

(vi) हेतुहेतुमद् भूतकाल क्रिया - यदि --- तो (शर्तवाची)

जब किसी वाक्य में क्रिया के बीते हुए समय में घटित होने का बोध हो लेकिन एक कार्य दूसरे कार्य पर आश्रित हो, हेतुहेतुमद् भूतकालिक क्रिया कहलाती है - जैसे → यदि आप आते तो ज्यादा मजा आता।
 यदि बरसात अच्छी होती तो फसल भी अच्छी पकती।
 यदि कृष्ण वाँसुरी बजाता तो राधा नाचती।